

## उत्तर मुगलकाल

- ★ औरंगजेब के बाद के काल को उत्तर मुगल काल के नाम से जाना जाता है। इस काल में कोई भी शासक योग्य नहीं था।

### बहादुर शाह (1707-12)

- ★ इसे साहे बेखबर के नाम से जाना जाता है क्योंकि इसे अपने राज्य के कुल क्षेत्रफल के बारे जानकारी नहीं थी। इसका नाम मुअज्जम था। यह जिस वर्ष शासक बना उस वर्ष उसकी आयु 63 वर्ष थी अतः यह सबसे अधिक उम्र में शासक बना था।
- ★ यह अन्तिम मुगल शासक था जिसके बारे में कुछ अच्छा कहा जा सकता है।
- ★ इसने राजा जय सिंह को सवाई राजा का उपाधि दिया।
- ★ 1712 ई० में इसका मृत्यु हो गयी।

### जहांदार शाह (1712-13)

- ★ इसे लम्पट मुख कहा जाता था, क्योंकि यह अत्यधिक दान देता था। यह सैय्यद बन्धु के सहायता से शासक बना था।
- Remark :** सैय्यद बन्धु को नृप (राजा) निर्माता कहा जाता है।

### फरुखसियर (1713-19)

- ★ इसने सय्यद बन्धुओं की सहायता से जहांदार शाह की हत्या कर दी इसे घृणित कायर कहा जाता है। क्योंकि हमने शासक बनने के लिए जहांदार शाह की हत्या कर दिया था।
- ★ 1717 ई० में फरुखसियर को चेचक हो गया था जो ठीक नहीं हो पा रहा था।
- ★ एक अंग्रेज डा० हेमिल्टन ने उसका इलाज किया जिससे की वह ठीक हो गया। अतः वह खुश होकर अंग्रेजों को बंगाल के हित में ₹ 3000 प्रतिवर्ष कर लेकर व्यापार करने की छूट दे दिया। इसे इतिहास में अंग्रेजी शासन का मैग्नाकाटर कहा जाता है। मैग्नाकाटा का अर्थ होता है बहुत बड़ा धोखा पत्र जिससे की पूरी स्थिति बदल जाए।
- ★ 1717 ई० में ही इसने मराठा पेशवा बालाजी विश्वनाथ से एक संधि किया और **क्षत्रपति** के पद को (**मराठाराज्य**) मान्यता दिया। इस संधि को मराठा साम्राज्य का मैग्नाकाटा कहा जाता है।

### मोहम्मद शाह (1719-48)

- ★ इसे रंगीला बादशाह कहा जाता है, क्योंकि इसे नाच गाना अत्यधिक पसन्द था। इसका मूल नाम रौशन अख्तर था। इसके समय मुगल साम्राज्य का बिखराव तेजी से प्रारम्भ हो गया और इसी क्रम में मुर्शी कुली खानने स्वतन्त्र बंगाल, शआदत खान स्वतन्त्र अवध निजामूल मुल्क ने स्वतन्त्र हैदराबाद की स्थापना कर दिया।
- ★ 1737 ई० में मराठा पेशवा बाजीराव-I ने मात्र 500 घोड़सवार लेकर दिल्ली पर आक्रमण कर दिया और मो० शाह से अत्यधिक धन लिया और उससे यह वचन दिया की विदेशी आक्रमण के समय वह उसकी मदद करेगा।
- ★ 1789 में इरान तथा एशिया का नेपोलियन नादिर शाह ने दिल्ली पर आक्रमण कर दिया। इसे दिल्ली पर आक्रमण करने के लिए शआदत खान ने प्रेरित किया था। नादिर शाह कोहिनूर हिरा तथा मयूर सिंहासन को अपने साथ लेकर चला गया। इस प्रकार मयूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल शासक मो० शाह था।
- ★ 1748 ई० में मो० शाह की मृत्यु हो गयी।

### अहमद शाह (1748-54)

- ★ इसके समय पहली बार अफगान सेनापति अहमद शाह अब्दाली ने 1748 ई० में पंजाब पर आक्रमण किया। इसके समय मुगल अर्थ व्यवस्था इतनी कमजोर हो गयी कि अपने सैनिकों तथा अधिकारियों को वेतन देने के लिए मुगल दरबार के सामानों की बिक्री करना पड़ा।

- ★ इसके समय सैनिकों ने विद्रोह कर दिया और इसे अंधा बनाकर जेल में डाल दिया।

## आलमगीर-II (1754-59)

- ★ इसके समय 1757 में प्लासी का युद्ध हुआ। इस युद्ध में लाई क्लार्क ने सिराजुद्दौला को पराजित कर दिया।
- ★ इस युद्ध के बाद अंग्रेजों को भारत में शासन करने का एक सुनहरा मौका मिल गया।

## शाह आलम-II (1759-1817)

- ★ उत्तर मुगलकाल में इसका कार्यकाल सबसे लम्बा था। इसके समय 1761 का पानीपत का III युद्ध हुआ। इस युद्ध में अफगान सेनापति अहमद शाह अब्दाली ने मराठों को पूरी तरह पराजित कर दिया।
- ★ इसी के समय 1764 को बक्सर का युद्ध हुआ। इस युद्ध में अंग्रेजी सेना का नेतृत्व हेक्टर मुनरो कर रहा था। हेक्टर मुनरो ने शाहआलम-II के नेतृत्व में बनी तिलगुट सेना को पराजित कर दिया।
- ★ शइलाहाबाद की संधि (1765) के तहत शाहआलम-II ने अंग्रेजों को बिहार, बंगाल एवं उड़ीसा की दिवानी (राजस्व कर) सौंप दी। इसी प्रकार बंगाल के क्षेत्र में द्वैध शासन प्रारम्भ हो गया।
- ★ इलाहाबाद के संधि के तहत ही शाह आलम-II को अंग्रेजों का पेंशन भोगी बना दिया गया। अंग्रेजों ने शाहआलम-II को अपने संरक्षण में ले लिया।

## अकबर-II (1817-37)

- ★ यह अंग्रेजों के संरक्षण में शासक बनने वाला पहला मुगल शासक था। यह भी अंग्रेजों का पेंशन भोगी था। अंग्रेजों ने इसके पेंशन को कम कर दिया। अतः इसने अपने पेंशन को बढ़वाने के लिए राम मोहन राय को लंदन भेजा और उन्हें राजा की उपाधि दिया। अतः वे राजा राम मोहन राय के नाम से जाने जाते हैं।

## बहादुर शाह-II ( जफर ) (1817-37)

- ★ यह जफर नाम की पत्रिका लिखता था। जिस कारण इसका नाम बहादुर शाह जफर पड़ा।
- ★ यह भी अंग्रेजों के संरक्षण में शासक बना।
- ★ इसने 1857 की क्रांति में भारतीय सैनिकों का नेतृत्व कर दिया। अतः अंग्रेजों ने इसे हूमायुं के मकबरे के समीप पकड़ लिया और उसके सामने उसके दोनों बेटों की हत्या कर दिया और उसे वर्मा की राजधानी रंगून निष्काशित कर दिया।
- ★ रंगून में ही बहादुर शाह जफर का मकबरा है।
- ★ बहादुर शाह जफर अपने जीवन काल में ही दिल्ली में अपना मकबरा बनवाया था। किन्तु यह मकबरा खाली रह गया, क्योंकि बहादुर शाह को रंगून भेज दिया।
- ★ बहादुर शाह जफर अंतिम मुगल शासक था।

### मुगल शासकों का मकबरा

बाबर	-	आगरा - काबूल (वर्तमान में)
हूमायुं	-	दिल्ली
जहांगीर	-	लाहौर (सहदरा)
अकबर	-	सिकन्दरा (फतेहपुर सिकरी)
शाहजहां	-	आगरा (ताजमहल)
औरंगजेब	-	औरंगाबाद (किले)
बहादुर शाह जफर	-	रंगून (वर्मा)
शेष मुगल राजाओं का मकबरा दिल्ली में हूमायुं के मकबरा के समीप है।		

